MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2014 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - II

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) पलाश का वैज्ञानिक नाम 'फ्रांडोसा' है क्योंकि ----------

(अ) उसके पत्ते तीन के समूह में होते हैं ।

(ब) उसके पत्ते काफी बड़े होते हैं ।

(क) यह पूरी तरह पत्तों से ढँका होता है ।

2) लेखक को अक्सर ----------

(अ) गांधीजी का जला हाथ याद आता है ।

(ब) स्वयंसेवक दल याद आता है ।

(क) बिना हैंडल की गरम पानी की बाल्टी याद आती है ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) सब लोग ..... से होटल के बाहर जमा हो गए थे ।

2) वे ..... ही ड्राइंगरूम से हट गए थे ।

3) प्रयाग में ..... के बहुत से नेता आए हुए थे ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) धार्मिक पुरुषों ने सबसे पहले क्या आदेश दिया है ?

2) मानव की महिमा किसमें है ?

3) चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए किसकी सहायता लेता है ?

4) सीधे - सादे मनुष्य किसे अपना देवता समझते थे ?

5) प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श क्यों हैं ?

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए : **2**

1) ''यह कोई छोटा मामला नहीं है।''
2) ''आत्मविश्वास आ जाने पर सबकुछ सरल और सुलभ हो जाता है।''

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए : **9**

1) रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या की क्या योजना बनाई और क्यों ?
2) संन्यासी की कुटी के आसपास का वातावरण कैसा था ?
3) गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने प्रतिकूल स्थिति में भी किस तरह दूसरों के आनंद में अपना आनंद महसूस किया ?
4) मंगली की स्थिति होटल के 'शेफ' की तरह कब और क्यों हो गई ?
5) बँगले में दिनभर काम करते समय विनायक बाबू ने क्या महसूस किया ?

ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

विनायक बाबू को सब कुछ घूमता - सा नजर आया। किसी शराबी की तरह झूमते हुए - से वे बँगले से बाहर की ओर चल पड़े। बँगले के बाहर आते ही मानो तिलिस्म टूटा। किसी अलग - सी दुनिया से निकल कर यथार्थ के धरातल पर कदम रख चुके थे वे।

कल्पना की रोशनी में परछाई की तरह जो कार विनायक बाबू की साइकिल के साथ - साथ चल रही थी, अब यथार्थ के अंधेरे में अकस्मात लुप्त हो गई। उनका घर आ गया था।''

1) 'कार अकस्मात लुप्त हो गई' का मतलब क्या है ?
2) 'तिलिस्म टूटा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
3) 'उनका' यानी किनका घर आ गया ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) क्षण में वह ..... मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर।
2) हम ..... हो रहे विकास में।
3) दूर तक जमीन पर, ... जय लिखो।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) वर्षों से हमारी नसों में क्या खौलता है ?
2) देश की माँग क्या है ?
3) 'खग उड़ते रहना' कविता के कवि 'नीरज' का पूरा नाम क्या है ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : 3

दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को ।

1) शूरवीर बालकों को जमीन पर क्या करना है ?
2) पिशाच से क्या तात्पर्य है ?
3) किसपर खून से विजय लिखना है ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : 3

इस सड़क पर इस कदर कीचड़ बिछा है,
हर किसी का पाँव घुटनों तक सना है ।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 6

1) कबीर ने गुरु के महत्त्व को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?
2) कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना किस प्रकार की है ?
3) समस्याओं का समाधान न मिलने के कारण जनता के आक्रोश को नेता लोग क्या कहकर टाल देते हैं ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : 8

1) व्यंग्यकार परसाई जी ने टैक्स से संबंधित बीमारी को किस प्रकार चित्रित किया है ?
2) लेखिका शिवानी ने अतिथिशाला की भयानकता को कैसे अनुभव किया ?
3) पंडित गंगाधर शास्त्री की कर्तव्यपरायणता स्पष्ट कीजिए ।
4) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1) थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी
2) तुलसी का बिरवा

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1) बहुत 2) परंतु

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

1) हमारी ओर उन्होंने देखा ।
2) व्यंग्य बुरी चीज है ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **1**

1) वे तोलकर बोलते थे । (सामान्य भूतकाल)

2) सर्दियों में पलाश के पत्ते गिरते हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : **1**

1) रामू की बहू ने तय कर लिया ।

2) पलाश को संस्कृत में 'किंशुक' कहा गया है ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) चाहना 2) बैठना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : **1**

1) खरीदना 2) देना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) मनीष ने प्रमिला को नौकर से खिलौना दिलवाया ।

2) जमींदार ने गरीब मनीष को बहुत रूलाया ।

(ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: **2**

1) अभिनेत्री लेखक की मजाक उड़ाती है ।

2) भाषा ईश्वर का बड़ा देन है ।

3) उनकी हाथ जल गई ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:

1) जॉर्ज ने कहा दोस्तो यह सवाल सही है

2) नेहरूजी ने कहा था आराम हराम है

3) रामचरितमानस तुलसीदास का अमर काव्यग्रंथ है

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **3**

1) खून सवार हो जाना ।
2) मस्तक नवाना ।
3) कमर कसना ।
4) मुँह मोड़ना ।
5) साफ कर देना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :
(गुदगुदा देना, नाक - भौं सिकोड़ना, लोट जाना, चैन न मिलना, खिलखिलाकर हँसना)

1) जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, मोहिनी छुटकारा नहीं पा सकेगी ।
2) छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर रमा अत्यंत प्रसन्नता के साथ हँसने लगी ।
3) अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी तिरस्कार प्रकट करेगा ।
4) हमारे जीवन में आनंनदायी क्षण बहुत कम होते हैं ।
5) हफ्ते भर की बीमारी में मरीज मर गया ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1) घायल सैनिक की आत्मकथा ।
2) विज्ञान : वरदान या अभिशाप ।
3) यदि समाचार पत्र न होते..... ।
4) मेरा प्रिय नेता ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : **4**

1) महेश / महिमा शर्मा, गांधी नगर, अमरावती – 355421 से स्वास्थ्य अधिकारी महानगर पालिका, को शहर में अशुद्ध जल की पूर्ति होने के कारण ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) सौरभ / सुमन तिवारी, गीता भवन, राजीव मार्ग, पूना से सरस्वती विद्या मंदिर, शीतल गंज, पूना को हिंदी शिक्षक की नौकरी के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।
अंबरनाथ में फ्लैट बेचने के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । **4**

रूपरेखा : एक जमींदार – बहुत से नौकर-चाकर – खेती की आमदनी का न बढ़ना – मित्र की सलाह – सुबह खेत की सैर करो – कुछ नौकर गायब – कुछ चीजें गायब – रोज देखभाल – आँखें खुलना – खुद काम में लग जाना – सभी में उत्साह – आमदनी बढ़ना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :** **4**

बातचीत में निपुण होने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाइए, अपना शब्दज्ञान बढ़ाइए तथा अधिकतर लोगों के बीच ही रहिए । एकांतप्रिय व्यक्ति कभी इस कला को नहीं सीख सकता। एक अन्य गुण जो कि इस कला के लिए अनिवार्य है, वह यह है कि आप अपने में सहनशक्ति उत्पन्न करें। दूसरों की बातों को यदि आप रुचिपूर्वक नहीं सुनेंगे तो आपकी बात कौन सुनेगा। सबसे बड़ी खूबी यह पैदा कीजिए कि अपने सामने वाले को कभी काटिए मत, उसकी किसी भावना को जान - बूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश मत करें । यदि उसकी किसी बात का प्रतिवाद करना बातचीत के लिए जरूरी भी हो जाए, तो पहले उससे सहमत हो जाएँ और फिर अपना मत कुछ इस ढंग से प्रस्तुत करें कि वह आपसे असहमत होते हुए भी सहमत होने को तैयार हो जाए । अतः यह बात गाँठ बाँध लें कि आपका चाहे जो भी क्षेत्र; उसमें सफल होने के लिए आपको बातचीत की कला सीखनी ही होगी ?

Best Of Luck 👍

MT-115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - II

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

उ.**1**.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	पलाश का वैज्ञानिक नाम 'फ्रांडोसा' है **क्योंकि यह पूरी तरह पत्तों से ढँका होता है।**	**1**
2)	लेखक को अक्सर **गांधीजी का जला हाथ याद आता है।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	सब लोग **मुस्तैदी** से होटल के बाहर जमा हो गए थे।	**1**
2)	वे **तत्काल** ही ड्राइंगरूम से हट गए थे।	**1**
3)	प्रयाग में **कांग्रेस** के बहुत से नेता आए हुए थे।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	धार्मिक पुरुषों ने सबसे पहले 'सत्यं वद' का आदेश दिया है।	**1**
2)	मानव की महिमा सुलभतम साधनों को प्राप्त कर उनका कुशलतम उपयोग करने में है।	**1**
3)	चतुर वैद्य कभी - कभी चिकित्सा के लिए विष की सहायता लेता है।	**1**
4)	सीधे - सादे मनुष्य एक बड़े मंदिर के महंत को अपना देवता समझते थे।	**1**
5)	प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श हैं क्योंकि उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए पढ़ना - लिखना सुलभ कर दिया।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	सरकारी कचहरी के भवन के सामने पेड़ के नीचे खड़े संन्यासी और शिकारी राजकुमार ने देखा कि अचानक कोठे पर दो आदमी आए। संन्यासी ने राजकुमार को बताया कि सूबेदार साहब कोई मामला तय कर रहे हैं। तभी वहाँ से (सूबेदार की) यह आवाज सुनाई दी थी।	**2**
2)	साक्षात्कारकर्ता ने प्रीति मोंगा जी से पूछा था कि क्या वे दृष्टिहीनों वाली सफेद छड़ी का प्रयोग करती है इसके उत्तर में प्रीति जी ने कहा था कि वे उसका प्रयोग करती हैं क्योंकि इसमें कंपन- शक्ति होती	**2**

है । स्पर्श, श्रवण, स्वाद, गंध जैसी शक्तियाँ हमारे मतिष्क से जुड़ी होती है। उनमें इनकी कोई कमी नहीं है । इसी संदर्भ में उन्होंने साक्षात्कारकर्ता से कहा था, ''आत्मविश्वास आ जाने पर सब कुछ सरल और सुलभ हो जाता है ।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :**

1) लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है । **3**

कबरी बिल्ली के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल हो गया। कबरी बिल्ली की वजह से उसे सास की मीठी झिड़कियाँ सुनने को मिलती थी और उसके पतिदेव को रूखा - सूखा भोजन मिलता था । एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई । उस खीर में पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह - तरह के मेवे डाले गए, सोने का वर्क चिपकाया गया । उस खीर के कटोरे को कमरे के ऊँचे ताक पर रखा गया ताकि बिल्ली वहाँ न पहुँच सके । इसके बाद रामू की बहू पान लगाने में लग गई । इतने में बिल्ली कमरे में आई, छलाँग मारी और कटोरा झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर गिर गया । आवाज सुनकर रामू की बहू कमरे में आई । उसने देखा कि खीर फर्श पर पड़ी थी और बिल्ली खीर खा रही थी । यह देखकर उसके सिर पर खून सवार हो गया । उसे रात भर नींद नहीं आई । वह सोचती रही कि कैसे कबरी पर वार किया जाए जिससे कबरी जिंदा न बचे । सुबह रामू की बहू ने एक कटोरा दूध कमरे के दरवाजे की देहरी पर रख दिया । कुछ देर बाद उसने देखा कि कबरी बिल्ली दूध पर जुटी हुई थी । मौका हाथ में आ गया। उसके हाथ में पाटा था, उसने सारा बल लगाकर पाटा बिल्ली पर पटक दिया । बिल्ली न हिली, न डुली, न चीखी, न चिल्लाई । बस एकदम उलट गई ।

इस प्रकार कबरी बिल्ली से तंग आकर रामू की बहू ने उसकी हत्या की योजना बनाई ।

2) अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है । **3**

संन्यासी की कुटी नदी के घाट के पास कदंबकुंज की घनी छाया में बनी हुई थी । कुटी के आसपास का वातावरण बहुत ही हरा-भरा था । वहाँ शीतल, मंद और सुगंधित हवा बह रही थी । नदी की तरंगों का मधुर नाद आसपास के वातावरण संगीतमय बना रहा था । कुटी के पास हरी - हरी घास पर मोर थिरक रहे थे । कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूम रहे थे । लताएँ और वृक्ष वहाँ के वातावरण को मनमोहक बना रहे थे । शाम हो चुकी थी । उसी समय संन्यासी ने एक वृक्ष के नीचे बैठकर कोयल की कूक जैसे मीठे स्वर में सूरदास के एक प्रसिद्ध भजन ''उधो कर्मन की गति न्यारी'' को गाना शुरू किया ।

इस तरह संन्यासी के आसपास का वातावरण बहुत ही मनमोहक, सुंदर, पवित्र और आनंददायक था ।

3)	लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी ने 'आनंद का क्षण' पाठ में मान्यवरों के जीवन के कुछ घटना - प्रसंगों को स्पष्ट करते हुए बताया है कि जीवन में गंभीर बने रहने की अपेक्षा सहज ही में विनोद के प्रसंग निर्माण करके आनंदप्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर को एक सभा में भाषण देना था । उनके चप्पल की कील उखड़ी हुई थी। दुर्भाग्य से उस पर उनका ध्यान ही नहीं गया और वही चप्पल पहने वे सभा में चले गए । कील पैर में चुभती रही और खून धीरे - धीरे गहता रहा लेकिन उनके भाषण का प्रवाह बहता रहा । खून और दर्द की तरफ उनका ध्यान ही नहीं गया । भाषण समाप्त करके वे मंच से उतरे तो लोगों ने देखा कि चप्पल खून से सना हुआ था । किसी के पूछने पर गुरुदेव ने जो उत्तर दिया वह चौकानेवाला था । उन्होंने कहा कि सब बंधु भाषण सुनकर आनंद ले रहे थे और मैं सबको आनंद परसने का आनंद ले रहा था । ऐसे समय में यदि मैं दुख की ओर ध्यान देता तो आनंद का वह क्षण खंडित हो जाता जो मेरे भाषण से लोगों को मिल रहा था। जीवन को गुदगुदानेवाले कुछ पल भी जीवन में महत्त्वपूर्ण होता है । इस प्रकार प्रतिकूल स्थिति में भी गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने दूसरों के आनंद में अपना आनंद महसूस किया ।	**3**
4)	लेखक 'दामोदर खड़से' जी ने 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?' पाठ में गरीबी लाचारी दुख और आर्थिक विषमता से घिरी अभावग्रस्त जीवन का मार्मिक चित्रण किया है । मुख्यमंत्री के लंच में परोसे जाने वाले व्यंजन को लेकर होटल गोल्डन गेट के मैनेजर और मालिक काफी दुविधा में थे । कलेक्टर के पी.ए. ने विशेष रूप से होटल के मैनेजर को फोन पर सूचित किया था कि मुख्यमंत्री जी के भोजन में मक्के की रोटी और सरसों का साग अनिवार्य रूप से होना चाहिए । होटल के मेनू में ये व्यंजन उपलब्ध नहीं थे । इसीलिए मैनेजर असमंजस की स्थिति में था । किसी अन्य होटल से इन व्यंजनों की व्यवस्था करना होटल की प्रतिष्ठा को दाँव पर लगाने के समान था । अंततः होटल के मुख्य रसोइए ने होटल में बर्तन माँजने वाली मंगली के रूप में समाधान पा लिया था । मंगली मक्के की रोटी - सरसों का साग बनाने में कुशल थी । मैनेजर ने तुरंत होटल के मालिक को इस बारे में सूचित किया और मंगली को रसोइए की जिम्मेदारी सौंप दी गई । अचानक महत्त्व मिलना उसकी कल्पना से परे था, इससे वह कुछ सकपकाई कि आज उसे क्यों इस लायक समझा गया। आज होटल को उसकी आवश्यकता है, यह विचार उसे बहुत सुखद लगा । इस प्रकार मंगली की स्थिति होटल में 'शेफ' की तरह रसोइए की जिम्मेदारी आत्मविश्वास और कुशलतापूर्वक निभा सकने के कारण हो गई ।	**3**
5)	लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव' जी ने 'संपन्नता' पाठ में विनायक बाबू के परिवार के माध्यम से वास्तविक संपन्नता को परिभाषित किया है । विनायक बाबू ने बड़े साहब के यहाँ काम करते हुए अनुभव किया कि ये लोग नाम मात्र के लिए बड़े लोग हैं । वास्तव में वे बहुत ही विपन्न और लाचार हैं । मानवीय संबंधों और पारिवारिक रिश्तों को निभाने की कला से अपरिचित हैं । झूठी शानों - शौकत को ही जीने का आधार बना लिया है ।	**3**

	विनायक बाबू यह देखकर हैरान हो गए कि बड़े साहब का इतना बड़ा बँगला सिर्फ चार - पाँच लोगों के रहने के लिए ही बनाया गया है । बँगले की सजावट में लाखों - करोड़ों रुपए बर्बाद कर दिए गए। एक पेंटिंग दो लाख रुपए खर्च करवाकर उनके ड्राइंग रुम की झूठी शान बढ़ा रही है । लगभग इतनी ही कीमत का केन्या से एक पत्थर का गेंडा मँगवाया गया था । ऐसे संपन्न माने - जाने वाले लोग अपने घर काम कर रहे कारीगर को न तो खाना खिला पाते हैं और न ही चाय पिलाते हैं । इनकी वाणी भी कर्कश होती है तथा इनका व्यवहार मिलनसार नहीं होता । इनके यहाँ ऑफिस में काम करने वाले बाबूओं से भी घरेलू नौकरों जैसा ही व्यवहार करते हैं । विनायक बाबू का मानना था कि जिनके बच्चों का असभ्य आचरण शर्मिंदा करता हो, जो ओछी हरकतें करते हो, ऐसे लोग भला बड़े कैसे हो सकते हैं ? विनायक बाबू का निजी अनुभव था कि ऐसे दमघोटू माहौल में उन जैसा साधारण व्यक्ति कभी नहीं रह सकता । अपने जीवन मूल्यों की प्राणवायु के बिना वे व्याकुल हो गए और जल्द ही बँगले से बाहर चले गए । इस प्रकार बँगले में दिन भर काम करते समय विनायक बाबू ने संपन्न लोगों की मूल्यहीन विपन्नता महसूस की ।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	'कार अकस्मात लुप्त हो गई' का मतलब है - साइकिल पर सवार विनायक बाबू बड़े साहब के बँगले पर देखी हुई अद्‌वितीय कार के विचारों में डूबे हुए थे परंतु अपने घर पहुँचते ही उनके विचारों से उस अद्‌भुत कार की कल्पना गायब हो गई ।	**1**
2)	विनायक बाबू ने बड़े साहब के बँगले में कुछ ऐसी कल्पना से परे चीजें देखीं और सुनीं, जिनसे उन्हें बहुत हैरानी भी हुई थी । बड़े साहब के करिश्माई बँगले से बाहर निकलते ही उनके मन से संपन्नता का भ्रम टूट गया ।	**1**
3)	'उनका' यानी विनायक बाबू का घर आ गया ।	**1**
उ.**2**.	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	क्षण में वह **अरिदल** मिट जाएगा, तेरे पंखों से पिसकर ।	**1**
2)	हम **अभिन्न** हो रहे विकास में ।	**1**
3)	दूर तक जमीन पर, **शानदार** जय लिखो ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	वर्षों से हमारी नसों में रक्त खौलता है ।	**1**
2)	देश की माँग खून से रंगा गुलाब अर्थात देश के लिए कुरबानी है ।	**1**
3)	'खग उड़ते रहना' कविता के कवि 'नीरज' का पूरा नाम गोपालदास सक्सेना 'नीरज' है ।	**1**

ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए।

1) शूरवीर बालकों को जमीन पर शानदार जय लिखना है। **1**

2) पिशाच से बुराई का तात्पर्य है। **1**

3) विशाल सिंधु (सागर) पर खून से विजय लिखना है। **1**

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए।

भावार्थ : कवि दुष्यंत कुमार जी के अनुसार प्रशासन राजनीतिक और सामाजिक अव्यवस्था में भ्रष्टाचार रूपी कीचड़ इस कदर फैला है कि हर कोई भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जा रहा है। इससे गुजरने वाले सभी लोग घुटनोंतक कीचड़ से सने (भरे) हुए हैं और उन्हें उनकी इस दुर्गति का अनुमान भी नहीं है। जनतंत्र की व्यवस्था आम लोगों की सुख - सुविधा को बनाए रखने के लिए ही निर्माण की गई थी परंतु आज यह पूरी तरह से भ्रष्टाचार रूपी धनतंत्र बनती जा रही है। जहाँ आम लोगों के दुख - दर्द असुविधाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। अन्याय, बेईमानी, भ्रष्टाचार और शोषण आदि के कारण वर्तमान, प्रशासन भी कुशासन बनता जा रहा है। छोटे कर्मचारी, नौकरशाह, राजनेता सभी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे पाए जा रहे हैं। जिनसे जनता के मन में अव्यवस्था के प्रति चिढ़, नफरत और तीव्र आक्रोश पनप रहा है। **3**

इस प्रकार आज की अव्यवस्था के प्रति आक्रोश को लेकर जनमत लगातार एकजुट हो रहा है और भावी क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ता जा रहा है।

ङ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :

1) संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है। **3**

कवि कबीर जी कहते हैं कि हमारे जीवन में गुरु का बहुत बड़ा महत्त्व है। जो गुरु को पराया समझते हैं अर्थात महत्त्व नहीं देते वे बहुत बड़े अज्ञानी हैं। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं कि ईश्वर के रूठ जाने से गुरु की शरण मिलना संभव है परंतु गुरु के रूठ जाने पर इस संसार में हमें कहीं कोई भी शरण नहीं मिल सकती। अर्थात गुरु को पराया न समझ कर हमें उनके चरणों में पूर्ण रुप से समर्पित हो जाना चाहिए। सारी विपत्तियों से वे ही हमारी रक्षा कर सकते हैं।

इस प्रकार कबीर ने गुरु के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ईश्वर के रूठ जाने पर भी गुरु की शरण संभव है।

2) कवि 'आरसीप्रसाद सिंह' जी ने 'जीवन का झरना' कविता में मनुष्य को झरने के माध्यम से जीवन में लगातार चलते रहने की प्रेरणा दी है। **3**

कवि ने झरने के साथ जीवन की तुलना करते हुए बताया है कि झरने में पानी है तो जीवन में ही उसकी मस्ती है। झरने के दो किनारों की तरह सुख-दुख रूपी जीवन के दो किनारे हैं। झरना अपने मार्ग

	में अवरोधक चट्टानों से संघर्ष करते हुए आगे बढ़ता है, उसी तरह जीवन को भी आगे बढ़ने के लिए मुश्किल हालातों से संघर्ष करना पड़ता है। झरना संघर्ष करते हुए मैदान में उतरता है तो जीवन भी कार्यक्षेत्र में उतरकर अपना स्थान बनाता है। झरने में गति होती है तो जीवन में जवानी। झरने की गति ही उसका जीवन है तो जीवन में प्रगति करना ही उसकी सार्थकता। झरने के बहाव का रुक जाना उसके जीवन का अंत है तो जीवन में प्रगतिशीलता का रुकना उसके पतन का प्रारंभ है। इस प्रकार कवि ने झरने की तुलना जीवन से की है।	
3)	गजलकार दुष्यंत कुमार जी ने 'मत कहो, आकाश में कुहरा घना है' गजल में आम आदमी के दबकर और घुटकर जीने की वजहों को अभिव्यक्ति दी है। प्रशासनिक और राजनीतिक उदासीनता के कारण आम आदमी अव्यवस्था का शिकार बनता जा रहा है। जनतंत्र में जनता को ही उसके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। हालात यहाँ तक बदतर है कि अपने अधिकारों की माँग करने वाले लोगों की बेचैनी और आक्रोश को क्षणिक उत्तेजना का रूप देकर इन नेताओं द्वारा उसे महत्त्वहीन कर दिया जाता है। ज्वलंत समस्याओं और जनता के दुख - दर्द को सहानुभूतिपूर्वक सुनकर नेताओं द्वारा उनका समाधान खोजने की कोशिश ही नहीं की जाती है। परिणामस्वरूप जनता का आक्रोश बढ़ता ही जाता है परंतु जनता के इस असंतोष को नेताओं द्वारा शांत करवाने की एक छोटी कोशिश भी नहीं की जाती है। वर्षों से जनता इसी तरह नेताओं द्वारा उपेक्षित है। इस प्रकार समस्याओं का समाधान न मिलने के कारण जनता के आक्रोश को नेता लोग उपेक्षापूर्ण भाव से क्षणिक उत्तेजना कहकर टाल देते हैं।	**3**
उ.**3**.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है। टैक्स की बीमारी बड़ी विचित्र है। वैसे जानलेवा बीमारियाँ तो अनंत हैं - निमोनिया, कालरा, कैंसर आदि जिनसे लोग अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। लेखक चंदा माँगने के लिए जिन सज्जन के पास गया था, उन्होंने अपनी टैक्स की बीमारी से लेखक को परिचित करवाया। यह सुनकर लेखक स्तब्ध रह गया क्योंकि इस बीमारी से वह अपरिचित था। वह सोचने लगा कि यह कैसी अद्‌भुत बीमारी है जिसमें मरीज स्वस्थ, प्रसन्न - चित्त बना रहता है और उसे इस बीमारी में मजा आता है। चिकित्सा - विज्ञान में इस अनोखी बीमारी का कोई उपचार ही नहीं है। हमारे देश में चंद लोग ही हैं, जो इस बीमारी से मर पाते हैं। लेखक को टैक्स की बीमारी वाले उस सज्जन से जलन होने लगी क्योंकि वे भी इस बीमारी से मरने के अभिलाषी थे। इस प्रकार व्यंग्यकार परसाई जी ने टैक्स से संबंधित बीमारी को बड़े ही दिलचस्प तरीके से चित्रित किया है।	**4**

2)	सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । गंगा बाबू ने लेखिका शिवानी जी को लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ में बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम में सस्नेह आमंत्रित किया था । उनके ठहरने का व्यवस्था वहाँ की अतिथिशाला में की गई थी। कार द्वारा लेखिका जब विद्यापीठ पहुँची तो उन्हें वहाँ की अतिथिशाला किऊल के बीहड़ स्टेशन से भी अधिक डरावनी लगी । उस रात वहाँ बिजली भी जा चुकी थी । बिना सजावट वाले कमरे में एक स्प्रिंग की पलंग रखी हुई थी । वहाँ न तो किसी चौकीदार की व्यवस्था थी और न ही आसपास कोई मकान था । लेखिका के वहाँ पहुँचने के कुछ समय बाद वहाँ विद्यापीठ का माली आया, जिसका डरावना रूप साक्षात यमदूत की याद दिलाता था । उसने लेखिका को लालटेन और मटके का पानी दिया और जाते - जाते खिड़की - दरवाजा ठीक से बंद करने की चेतावनी भी दी क्योंकि वहाँ कमरे में कभी - कभी करैत साँप घुस आने की संभावना भी थी । साँप के भय और सियारों तथा उल्लुओं की आवाजों ने लेखिका की उस रात की नींद उड़ा दी थी । इस प्रकार लेखिका शिवानी ने किसी तरह राम - राम करते हुए अतिथिशाला की भयानकता के बीच रात काटी ।	**4**
3)	विश्वविख्यात पंडित गंगाधर शास्त्री जी अपने कर्तव्य के प्रति बेहद निष्ठावान थे । उनके पास विद्यार्थी बहुत दूर-दूर से पढ़ने आते थे । एक दिन पंडित जी के बेटे की मृत्यु हो गई, फिर भी उन्होंने रोज की तरह अपने छात्रों को पढ़ाया । जब छात्रों को इस दुखद घटना की जानकारी हुई, तो उनमें से एक छात्र ने पंडित जी से हैरान होकर पूछा कि इस दुख की घड़ी में भी उन्होंने पढ़ाना बंद क्यों नहीं किया? यह सुनते हुए पंडित जी ने कहा कि पुत्र शोक मेरी व्यक्तिगत हानि है । तुम लोग बहुत दूर-दूर से आए हो । भला तुम्हारा एक दिन मैं कैसे बदबाद करता ? इस प्रकार पंडित गंगाधर शास्त्री जी ने पुत्रशोक के दुख की घड़ी में भी ज्ञान की आराधना करते हुए कर्तव्यपरायणता का अद्वितीय आदर्श प्रस्तुत किया।	**4**
4)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं। राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है । इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है । **अथवा**	**4**

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है। **8**

थिंफू भूटान की वर्तमान राजधानी का एक शहर है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता काठमांडू और दार्जिलिंग से किसी भी स्तर में कम नहीं है। इस नगर के सारे मकान भूटानी प्रणाली में बने हैं। यहाँ की जनसंख्या केवल पचीस हजार है, जबकि पूरे भूटान की जनसंख्या सिर्फ सवा लाख है। थिंफू में केवल एक ही बैंक है - बैंक ऑफ भूटान। उसकी कलापूर्ण इमारत देखते ही बनती है। उसकी साज-सज्जा किसी विलासी राजा के रंगमहल से कम नहीं है।

भूटान की मुद्रा को 'गुलत्रम' कहते हैं और उसका मूल्य हमारे एक रुपए के बराबर होता है। भूटान देश में भारतीय मुद्रा का आम प्रचलन है। यहाँ दोनों मुद्राओं का प्रयोग किया जाता है। जैसे भूटान में एक बैंक है, वैसे ही एक ही पेट्रोल पंप भी है जो राजधानी के नगर में आने-जाने वाली सभी मोटर-जीपों को पेट्रोल की पूर्ति करता है। थिंफू बुद्ध-धर्मियों का तीर्थ स्थान भी बन गया है। थिंफू नरेश का राजमहल अंत:वर्ती क्षेत्र में है जो अब राजमाता का निवासस्थान है। थिंफू के नरेश नदी के तट पर बनी पर्णकुटी में रहते हैं क्योंकि यहाँ के नरेश को राजमहल की शान-शोभा पसंद नहीं है।

भूटान देश का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग शहर से किया जाता है। झाँग सुंदर व दर्शनीय स्थल है। रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल समिति ही नरेश को राज्य-संचालन के लिए सलाह देती है। जनप्रतिनिधि, धर्मपीठ के प्रतिनिधि और शासन द्वारा कुल डेढ़ सौ सदस्य नियुक्त करते हैं। अंदरुनी राज्य संचालन में भूटान सार्वभौम देश है लेकिन विदेशी नीति के लिए भारत की सलाह लेना भूटान के लिए बंधनकारी है। भूटान में सिर्फ भारत देश का ही दूतावास है।

2) लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है। **8**

भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते। यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है। स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं। ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं। इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है। संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं। जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो। तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल', 'बसिलिकोन', 'ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं। भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं। इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है। इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है। इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्‌वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।

उ.**4.** **च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

1) पिताजी **बहुत** हँसते हैं । **1**

2) अदालत से बच गए **परंतु** यहाँ नहीं बच सकते । **1**

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :

1) ओर - अव्यय **1**

2) बुरी - विशेषण **1**

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :

1) वे तोलकर बोले । **1**

2) सर्दियों में पलाश के पत्ते गिरे हैं । **1**

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :

1) लिया (लेना) सहायक क्रिया । **1**

2) गया (जाना) सहायक क्रिया । **1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) वे अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते । **1**

2) मैं फिर भूल कर बैठा । **1**

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थकरूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थकरूप
1) खरीदना	खरीदाना	खरीदवाना **1**
2) देना	दिलाना	दिलवाना **1**

अथवा

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :	
1)	दिलवाया - द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**
2)	रूलाया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया ।	**1**
	ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:	
1)	अभिनेत्री लेखक <u>का</u> मजाक उड़ाती है ।	**1**
2)	भाषा ईश्वर <u>की</u> <u>बड़ी</u> देन है ।	**1**
3)	<u>उनका</u> हाथ जल <u>गया</u> ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:	
1)	जॉर्ज ने कहा, ''दोस्तो, यह सवाल सही है ।''	**1**
2)	नेहरूजी ने कहा था, ''आराम हराम है ।''	**1**
3)	'रामचरितमानस' तुलसीराम का अमर काव्यग्रंथ है ।	**1**
	(ड) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:	
1)	खून सवार हो जाना – किसी को मार डालने को उद्यत होना ।	**1**
	वाक्य : दुश्मन को सामने देख कर वीर सैनिकों के सिर पर <u>खून सवार हो गया</u> ।	
2)	मस्तक नवाना – सिर झुकाना ।	**1**
	वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी <u>मस्तक नहीं नवाते</u> ।	
3)	कमर कसना – तैयार होना ।	**1**
	वाक्य : परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए सभी छात्रों ने <u>कमर कस ली</u> है ।	
4)	मुँह मोड़ना – उपेक्षा करना ।	**1**
	वाक्य : लॉटरी लग जाने पर उसने अपने गरीब मित्रों से <u>मुँह मोड़ लिया</u> ।	
5)	साफ कर देना – खत्म या नष्ट कर देना ।	**1**
	वाक्य : नौकर ने मौका पाकर सेठ जी की तिजोरी <u>साफ कर दी</u> ।	
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :	
1)	जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, मोहिनी को **<u>चैन नहीं मिलेगा ।</u>**	**1**
2)	छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर रमा **<u>खिलखिलाकर हँसने लगी ।</u>**	**1**

3)	अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी **नाक - भौं सिकोड़ेगा** ।	**1**
4)	हमारे जीवन में **गुदगुदाने वाले** क्षण बहुत कम होते हैं ।	**1**
5)	हफ्ते भर की बीमारी में मरीज **लोट गया ।**	**1**
उ.**5**.	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए:**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.97 - Q.2	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.110 - Q.15	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.131 - Q.36	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.134 - Q.40	**10**
उ. **6**.	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 186 - Q.3	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 193 - Q.10	**4**
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 203 - Q.8	**4**
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 83 - Q.8	**4**

❐❐❐❐❐